मुझे जो कहना था

मन कि बातें

① इस दुनियाँ में कितने रंग हैं...
जो कितना कुछ बयाँ करतें हैं।
उनको भी कुछ कहना होता है...
लाल, हरा, काला, सफेद... उनको भी कुछ कहना होता है॥
ये रंग भी एक-दूसरे में मिलकर
अपने रंग बदलते हैं।

② मुझे जो कहना था, वो इस समूह के बारे में है...
जो आए दिन अपने रंग बदलता रहता है।
कहना कुछ होता, कह कुछ और जाता है।
मुझे जो कहना था, आज मुझे वो कह के ही जाना है।
क्यूँ पर्खा जाता है लोगों को उनके वर्ग, जाती और उनके गोरे-काले
रंग से?
जबकी वो उनका पेदाइशी होता है।

③ बच्चे जब स्कूल जाएँ...
तो सिर्फ उनको, उनके नाम से जाना जाता है!...
लेकिन जब वो बड़े हो जाएँ, तो उनको नाम के बदले
नंबरों से जाना जाता है।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 641 Participant Code: 112..

④ अगर लड़का और लड़की प्यार करें...
शादी कि इच्छा जताएँ... तो वो गलत।
लेकिन अगर उसके बदले कोई लड़का...
किसी लड़की का अपहरण करके उसके साथ
कुछ उल्टा-सीधा करे तो कोई बात नहीं।
मुझे जो कहना था, ये समाज बदलता क्यूँ नहीं?
समाज में बदलाव होता क्यूँ नहीं?

⑤ मुझे जो कहना था, और जो कहना है...
हर बूढ़े माँ-बाप को अपने बच्चो के साथ रहना है।
जवानी में अपने बूढ़े माँ-बाप को अपने बच्चो के लिए
छोड़ के आए थे...
आज उनको बूढ़ा होने के बाद में अपने
बच्चों के साथ रहना है।

⑥ मुझे जो कहना था,
हर किसी को साथ में ही रहना था।
एक टूटे हुए काँच कि तरह गए सब बिखर...
किसी को ना हुई उसकी फिकर।

⑦ मुझे ही नहीं यहाँ-वहाँ सबको कुछ ना कुछ
कहना था।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Item Code: 641 Participant Code: 112

कवि चार पंक्तियों में कितना कुछ
कह जाते हैं...
समझने वाले उसको अश्क बनाकर
पी जाते हैं...
वो भी कहते हैं बातें कई ||
उनकी चार पंक्तियों में बड़ा आशय
होता है...
बस हमको थोड़ा, समझना ज़रूरी
होता है ||
मुझे जो कहना था, मैंने कह दिया है...
मेरी तरफ़ से समझनेवालों का शुक्रिया है ||

(8) मान, मर्यादा, प्यार समाज और घर से हमको
ये भी मिला है |
मैंने ईश्वर, अल्लाह, भगवान
इन तीनों के सामने प्रार्थना, सजदा, पूजा
कि है |
मुझे जो कहना था, मैंने वो बातें इनसे
कही है ||

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)